चगाव"ष्परः र्

3	5'218	।; धेग्रिव् व सेर्स्सेर		र्ग भुैराकेंगः	··········		
भ्रापिटकाराचा क्रिया स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्वापत स्वाप्ता स्वापता स्वापता स्वापता स्वापता स्वापता स्वापता स्							
***************************************	<u>-</u>	र्केन् गव्य	.হথ.প্রধার্নীতা.বাধ্র.হ	च्वेर:धेगदी			
2	শুরুদ্ধ		उ त .अ.र	रवर्गेर्ड है	त्रमाश्वतः अर्ह् ५:३।		
2	ग्वन्दि	•					
	गानेव 📲	Ęa	······································	·····	भेव प्यते मावर प्रश्न	ıad.क्ट.ल.चेल.क् <u>री.</u>	भेगाञ्च लु:चा
3	रक्षेत्रके	Ч					
	गा े न्विर धेमासुया से दें वि सेंद्र दर हेश सेंद्र स्वानिय मात्र हुँद्र श्री खिस्य देन दें वा कंवा का या वाया न						
	لرلتا	ग्रेष्ट्रव्यक्षःश्चीःतद्य					
	لرله	चर्षेत्रः ध्रेगासुव्यः स्रेग्सुद	श्रायमा क्षेत्रः क्षीः तद्य				
	٢٦	ञ्चुन छे ५ छै। धेम ष	<u> </u>	······उ त ः	η		

ব্যাব:ক্র্যা